

चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ

चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ,
तेरा पिपला हेठा डेरा वेखन नु जी करदा मेरा,
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ,

सोहनी सूंदर पहाड़ी उते माँ तू डेरा लगाया,
कई कंगले वेखे मैं जिह्वा नु तू राह च बिठाया,
जिह्वा ने माँ एक चित होके मैया मन तेरे वल लाया,
ओहना दे सब दुखड़े तू एक पल विच हरदी माँ,
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ....

पिंडी रूप माँ सोहना तेरा माँ सब दे मन नु भावे,
जो भी तेरे मंदिर दे माँ शरधा दे नाल आवे,
बिन मंगिया ही झोली भरदी झोली भर ले जावे,
चिंतपूर्णी ना तेरा हर चिंता हरदी माँ,
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ

श्रद्धा दे नाल नारियल माँ नु जो भी भेट चढ़ावे,
श्यामा दी शाह भरे भंडारे थोड़ कोई न आवे,
जो जिस नियत सेवा करदा तेथो तैसा ही फल पावे
माँ ही माँ ओ तर जावे जिसदी भाह फड़ दी माँ
चिंतापूर्णी माँ ओ मेरी चिन्ता हरनी माँ

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5483/title/chintapurni-maa-o-meri-chinta-harni-maa>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |